# BSES

## अफगान मंत्री व अधिकारियों ने किया बीएसईएस का दौरा, हुई वितरण व्यवस्था पर बात

### US - AID के सहयोग से छह– दिवसीय स्टडी टूर पर आया है अफगान प्रतिनिधिमंडल

नई दिल्लीः 5 दिंसबर, 2008। बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस के कार्यों व उपलब्धियों ने पाकिस्तान और बांग्लादेश के बाद, अब अफगानिस्तान को भी खासा प्रभावित किया है। एक उच्चस्तरीय अफगान प्रतिधिमंडल ने आज बीएसईएस का दौरा किया। प्रतिधिमंडल का नेतृत्व अफगानिस्तान के बिजली उप मंत्री श्री अहमद वली शैरजे ने किया। प्रतिधिमंडल यहां बीएसईएस के सीईओ श्री अरूण कंचन समेत अन्य उच्चाधिकारियों से मिला, उन्होंने बीएसईएस का अत्याधुनिक स्काडा सेंटर देखा और एटीएंडसी लॉस, ज्योग्राफिकल इंफॉर्मेशन सेंटर, ऑटोमैटिक मीटर रीडिंग, हाई वॉल्टेज डिस्ट्रिब्यूशन सिस्टम और आईटी की भूमिका आदि पर चर्चा की।

अंतरराष्ट्रीय संस्था यूएस–एड के कार्यक्रम "साउथ एशिया रीजनल इनिशिएटिव – एनर्जी" कार्यक्रम के तहत यह प्रतिनिधिमंडल भारत आया है। प्रतिनिधिमंडल में बिजली उपमंत्री के अलावा, हार्ट इलेक्ट्रिसिटी डिपार्टमेंट के अध्यक्ष श्री हाजी शिर अहमद, जंक्शन स्टेशन के डायरेक्टर श्री ताज मोहम्मद, और केईडी के डेप्टी श्री इंजीनियर अब्दुल मलिक शामिल थे।

बीएसईएस अधिकारियों से बातचीत के दौरान अफगान प्रतिनिधिमंडल ने कंपनी से जानना चाहा कि निजीकरण का उसका अनुभव कैसा रहा, क्या चुनौतियां आईं और कंपनी ने चुनौतियों का मुकाबला कैसे किया। जब बीएसईएस सीईओ श्री अरूण कंचन ने उन्हें बताया कि पिछले छह सालों के दौरान बीवाईपीएल और बीआरपीएल ने अपने एटीएंडसी घाटे में क्रमशः 52.8 प्रतिशत और 47.2 प्रतिशत की कमी की, तो अफगान प्रतिनिधिमंडल आश्चर्यचकित रह गए। उल्लेखनीय है कि भारत में एटीएंडसी लॉस में कमी का राष्ट्रीय औसत सिर्फ 1 प्रतिशत प्रति वर्ष है। प्रतिनिधिमंडल ने जानना चाहा कि इतने बड़े पैमाने पर एटीएंडसी लॉस कम करने के की दिशा में कंपनी ने क्या प्रयास किए थे। इसके अलावा, उन्होंने बिजली वितरण में सूचना तकनीक– आईटी– की भूमिका, बीएसईएस द्वारा पेश की गई नई तकनीकों जैसे– स्काडा (सुपरवाइजरी कंट्रोल एंड डेटा एक्विजिशन), जीआईएस (ज्योग्राफिकल इंफॉर्मेशन सिस्टम), एएमआर (ऑटोमैटिक मीटर रीडिंग), एबीसी (एरियल बंच्ड केबल) और एचवीडीएस (हाई वॉल्टेज डिस्ट्रिब्यूशन सिस्टम) आदि पर भी विस्तार से जानना चाहा। प्रतिधिमंडल ने बीएसईएस द्वारा किए गए निवेशों की भी जानकारी ली।

चार घंटे लंबी इस बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए अफगानिस्तान के बिजली उप मंत्री श्री अहमद वली शैरजे ने कहा– मैं बीएसईएस द्वारा किए गए शानदार कार्यों से बेहद प्रभावित हूं। हम उनके संसाधनों की सहायता लेना, और उनके साथ काम करना चाहेंगे। जाते समय उन्होंने बीएसईएस के विजिटर्स बुक में लिखा– बीएसईएस का प्रजेंटेशन शानदार था, उन्होंने जबरदस्त सफलताएं अर्जित की हैं और बिजली के क्षेत्र में सीधी मदद के लिए अपार संभावनाएं हैं।

अफगान प्रतिधिमंडल के बीएसईएस विजिट के बारे में कंपनी के चेयरमैन श्री ललित जालान ने कहा– हम काफी उत्साहित हैं। उनकी इस विजिट ने एक बार फिर दिल्ली में बिजली वितरण व्यवस्था के निजीकरण की सफलता को रेखांकित किया है। मुझे खुशी इस बात की है कि हमारे द्वारा किए गए बिजली सुधारों को न सिर्फ अपने देश में, बल्कि विदेशों में भी सराहा जा रहा है।

सीईओ श्री अरूण कंचन के कहा कि हाल के महीनों में कई प्रतिष्ठित संस्थाओं व उनसे जुड़े लोगों ने बीएसईएस के कार्यों की काफी तारीफ की है। सीआईआई और फिक्की जैसी औद्योगिक संस्थाओं के अलावा, आईआईएम बेंगलुरू और आईआईएम हमदाबाद के प्रोफेसरों व छात्रों ने हमारी प्रशंसा की है। योजना आयोग ने भी हमारी सराहना की है। उल्लेखनीय है कि कुछ महीने पहले एक उच्चस्तरीय पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल ने भी बीएसईएस का दौरा किया था।

बीएसईएस अधिकारियों के अलावा, अफगान प्रतिधिमंडल यहां के वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों से भी मुलाकात कर रहा है, जिनमें प्रमुख हैं– केंद्रीय बिजली सचिव, सीईआरसी के अध्यक्ष व मुख्य कार्यकारी अधिकारी, डीईआरसी के अध्यक्ष व सदस्य व अन्य।

*दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।*

---

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: प्रशान्त दुआ
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999870 / 9312007822

चंद्र पी कामत
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999642 / 9350130304